नमूना प्रश्न

हिन्दी पाठ्यक्रम - अ
(कोड संख्या - 002)
कक्षा - दसवीं

बहुवैकल्पिक प्रश्न

1 अंक

अपठित गद्यांश

प्रश्न 1. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के सही विकल्प छाँटकर लिखिए-

1x5=5 अंक

प्रत्येक सुंदर प्रभात सुंदर चीज़ें लेकर उपस्थित होता है, पर यदि हमने कल तथा परसों के प्रभात से लाभ नही उठाया तो आज के प्रभाव से लाभ उठाने की हमारी शक्ति क्षीण होती जाएगी और यही रफ़्तार रही तो फिर हम इस शक्ति को बिल्कुल ही गँवा बैठेंगे। किसी विद्वान ने ठीक ही कहा है; खोई हुई संपत्ति प्राप्त की जा सकती है, गँवाया हुआ स्वास्थ्य लौटाया जा सकता है, परंतु नष्ट किया हुआ समय सदा के लिए चला जाता है। वह बस स्मृति की चीज हो जाता है और अतीत की एक छाया-मात्र रह जाता है। संसार के महान विचारकों को चिंता रहती थी कि उनका एक क्षण भी व्यर्थ न चला जाए। हमको भी अमूल्य समय को नष्ट होने से बचाने के लिए कुछ भी उठा न रखना चाहिए। महान विचारक समय के छाटे-छोटे टुकड़ों को बचाकर जिस तरह महान हुए, हमको भी उनकी भाँति ही समय का मूल्य जानना चाहिए।

(i) 'प्रत्येक सुंदर प्रभात' का तात्पर्य है :

(क) सुंदर वस्तुओं की प्राप्ति।

(ख) सूर्योदय का समय।

(ग) सुनहरा अवसर।

(घ) जीवन के नए क्षण।

(ii) कौन-सा कथन असत्य है :

(क) बीता समय लौट सकता है।

(ख) नष्ट स्वास्थ्य पाया जा सकता है।

(ग) खोई हुई सम्पत्ति मिल सकती है।

(घ) भूली हुई जानकारी पाई जा सकती है।

(iii) अमूल्य समय को नष्ट होने से कैसे बचाया जा सकता है:

(क) महान विचारकों के बारे में पढ़कर।

(ख) प्रत्येक क्षण का सदुपयोग करके।

(ग) सपने देखकर।

(घ) कल्पना जगत में विचरण करके।

(iv) संसार के महान विचारकों को किस बात की चिंता रहती थी?

(क) संसार के लोगों की।

(ख) अपने स्वास्थ्य की।

(ग) अपनी प्रसिद्धि की।

(घ) उनका एक क्षण भी व्यर्थ न चला जाए।

(v) उपयुक्त गद्यांश का उचित शीर्षक हो सकता है:

(क) समय का महत्व।

(ख) महान विचारक।

(ग) सुंदर प्रभात।

(घ) समय और मनुष्य।

(उत्तर संकेत)

प्रश्न–1 (i) (ग) सुनहरा अवसर।

(ii) (क) बीता समय लौट सकता है।

(iii) (ख) प्रत्येक क्षण का सदुपयोग करके।

(iv) (घ) उनका एक क्षण भी व्यर्थ न चला जाए।

(v) (क) समय का महत्त्व।

पठित गद्यांश 1x5=5 अंक

प्रश्न–2 निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के सही विकल्प छाँटकर लिखिए-

शहनाई के इसी मंगलध्वनि के नायक बिस्मिल्ला खाँ साहब अस्सी बरस से सुर माँग रहे हैं। सच्चे सुर की नेमत। अस्सी बरस की पाँचों वक्त वाली नमाज़ इसी सुर को पाने की प्रार्थना में खर्च हो जाती है। लाखों सजदे, इसी एक सच्चे सुर की इबादत में खुदा के आगे झुकते हैं। वे नमाज़ के बाद सजदे में गिड़गिड़ाते हैं-

'मेरे मालिक एक सुर बख्श दे। सुर में वह तासीर पैदा कर कि आँखों से सच्चे मोती की तरह अनगढ़ आँसू निकल आएँ। उनको यकीन है, कभी खुदा यूँ ही उन पर मेहरबान होगा और अपनी झोली से सुर का फल निकालकर उनकी ओर उछालेगा, फिर कहेगा, ले जा अमीरुद्दीन इसको खा ले और कर ले अपनी मुराद पूरी।

(i) बिस्मिल्ला खाँ को क्या कहा गया है?

(क) शहनाई वादक।

(ख) नमाज़ पढ़ने वाला।

(ग) शहनाई की मंगलध्वनि का नायक।

(घ) मंगलध्वनि का गायक।

(ii) खाँ साहब की पाँचों वक्त की नमाजें किसमें खर्च होती थीं?

(क) सच्चे सुर की माँग में।

(ख) नेमत में।

(ग) इबादत में।

(घ) सजदे में।

(iii) 'सजदा' किसे कहते हैं?

(क) नमाज़ पढ़ने को।

(ख) रियाज़ करने को।

(ग) माथा टेकने को।

(घ) दुआ माँगने को।

(iv) 'तासीर' शब्द का अर्थ है -

(क) प्रभाव।

(ख) असर।

(ग) गुण।

(घ) उपर्युक्त तोनों

(v) अमीरुद्दीन को किस बात का यकीन है?

(क) खुदा उसे अपनी झोली से सुर का फल अवश्य देगा।

(ख) वे एक अच्छे शहनाई वादक बनेंगे।

(ग) उनकी मेहनत रंग लाएगी।

(घ) उन्हें सुर की पहचान मिलेगी।

(उत्तर संकेत)

प्रश्न-2 (i) (ग) शहनाई की मंगलध्वनि का नायक।

(ii) (क) सच्चे सुर की माँग में।

(iii) (ग) माथा टेकने को।

(iv) (घ) उपर्युक्त तीनों।

(v) (क) खुदा उसे अपनी झोली से सुर का फल अवश्य देगा।

लघुउत्तरीय प्रश्न

2 अंक

प्रश्न 1 – निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए-

(क) काशी में हो रहे कौन-से परिवर्तन बिस्मिल्ला खाँ को व्यथित करते थे?

(ख) लेखिका मन्नू भंडारी अपनी माँ को अपना आदर्श क्यों नहीं बना सकी?

उत्तर संकेत

प्रश्न 1

क. (i) काशी से संगीत, साहित्य, अदब की सारी परंपराएँ लुप्त हो रही है।

(ii) संगतकारों के लिए गायकों के मन में आदर की कमी।

(iii) काशी-मक्का महाल से मलाई बरफ गायब होती जा रही है।

(iv) देशी घी की बनी कचौड़ी, जलेबी मिलनी कम हो गई।

ख. (i) माँ अनपढ़ थी।

(ii) पति की हर ज्यादती को अपना प्राप्य समझ सहन करती थी।

(iii) माँ बच्चों की हर उचित-अनुचित इच्छा पूर्ण करती थी।

(iv) माँ दब्बू स्वभाव की थी।

(v) माँ ने अपने लिए कुछ नहीं माँगा, बस दिया ही दिया।

अतिलघुउत्तरीय प्रश्न

व्यावहारिक व्याकरण **1 अंक**

प्रश्न 1.

I. निम्नलिखित वाक्यों में रेखांकित पदों का पद-परिचय लिखिए- (1×5=5)

(क) हम आज भी अपने देश पर प्राण न्यौछावर करने हेतु तैयार रहते हैं।

(ख) मैं सो रहा था।

(ग) हर्षिता दसवीं कक्षा में पढ़ती है।

(घ) भूषण वीर रस के कवि थे।

(च) गाँधीजी ने अहिंसा का पाठ पढ़ाया।

II . निम्नलिखित काव्य पंक्तियों में प्रयुक्त अलंकार बताइए- (1×5=5)

(क) मेघ आए बड़े बन-ठन के सँवर के।

(ख) मैया मैं तो चंद्र खिलौना लैहों।

(ग) रघुपति राघव राजा राम।

(घ) तब तो बहता समय शिला-सा जम जाएगा।

(च) ताही अहीर की छोहरियाँ, छछिया भर छाछ पे नाच नचावें।

उत्तर संकेत

प्रश्न 1.

I. (क) हम - उत्तमपुरुषवाचक सर्वनाम, बहुवचन, पुल्लिंग, कर्ता कारक।

(ख) सो रहा था- अकर्मक क्रिया, संयुक्त क्रिया, भूतकाल, पुल्लिंग, एकवचन।

(ग) दसवीं - निश्चित संख्यावाचक विशेषण, स्त्रीलिंग, एकवचन, 'कक्षा' विशेष्य का विशेषण।

(घ) भूषण - व्यक्तिवाचक संज्ञा, पुल्लिंग, एकवचन, कर्ता कारक।

(च) गाँधीजी - व्यक्तिवाचक संज्ञा, पुल्लिंग, एकवचन, कर्ताकारक।

II. (क) मानवीकरण अलंकार।

(ख) रूपक अलंकार।

(ग) अनुप्रास अलंकार।

(घ) उपमा अलंकार।

(च) अनुप्रास अलंकार।

निबंधात्मक प्रश्न

पत्र-लेखन **5 अंक**

आपके क्षेत्र में सफाई कर्मचारी ठीक तरह से काम नहीं कर रहे हैं। अपने क्षेत्र में गंदगी एवं बीमारी फैलने की सूचना देते हुए नगर-निगम के स्वास्थ्य अधिकारी को पत्र लिखिए।

अनुच्छेद-लेखन 5 अंक

दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर लगभग 100 शब्दों में एक अनुच्छेद लिखिए -

'मधुर वचन है औषधि, कटुक वचन है तीर'

- सूक्ति का अर्थ व वाणी का महत्त्व
- विभिन्न उदाहरण
- कटु वाणी का नकारात्मक प्रभाव
- मधुर वाणी का सकारात्मक प्रभाव

मूल्यपरक प्रश्न

प्रश्न – हमारी आज़ादी की लड़ाई में समाज के उपेक्षित माने जाने वाले वर्ग का योगदान कम नहीं रहा। 'एही ठैयाँ झुलनी हेरानी हो रामा' पाठ के आधार पर उत्तर दे कि ऐसे लोगों के योगदान को लेखक ने किन मूल्यों पर आंकलित किया है।

4 अंक

उत्तर संकेत

निम्न की तरह कोई चार बिन्दु

1. राष्ट्रस्मिता से जुड़ाव
2. राष्ट्र स्वाभिमान के आवाहन को स्वीकारना
3. राष्ट्र आन्दोलन में सक्रिय सहभागिता
4. संकुचित से व्यापक की प्रेरणा